सोमवार, 29 जून, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टी20 इंटरनेशनल में काफी शर्मनाक शुरुआत

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

अक्षय, सैफ का 18 साल बाद कमबैक

Page-05

फ्रांस और सऊदी अरब के हवाई हादसों में 25 लोगों की मौत

- **फ्रांस में स्काइडाइविंग विमान दुर्घटना और सऊदी अरब के हवाई हादसे में कुल 25 लोगों की मौत हुई।**
- **दोनों देशों ने दुर्घटनाओं के कारणों की जांच शुरू कर दी है, जबकि विमान सुरक्षा मानकों पर नए सिरे से चर्चा तेज हो गई है।**

फ्रांस और सऊदी अरब में हुए दो अलग-अलग हवाई हादसों में कुल 25 लोगों की मौत हो गई, जिससे दोनों देशों में शोक की लहर फैल गई है। इन दुर्घटनाओं ने एक बार फिर विमानन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। अधिकारियों ने दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है और हादसों के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।सबसे बड़ा हादसा फ्रांस में हुआ, जहां स्काइडाइविंग गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से कई लोगों की जान चली गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार विमान उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही असामान्य स्थिति में दिखाई दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विमान हवा में संतुलन खोता हुआ नजर आया और कुछ ही देर बाद तेजी से नीचे गिर गया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि मौके पर ही कई यात्रियों की मौत हो गई।हादसे की सूचना मिलते ही बचाव दल, दमकल कर्मी और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंच गईं। राहत एवं बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया, लेकिन अधिकांश यात्रियों को बचाया नहीं जा सका। शुरुआती जांच में खराब मौसम और तकनीकी खराबी को संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि फ्रांसीसी प्रशासन ने कहा है कि विस्तृत जांच पूरी होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। सरकार ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।दूसरी ओर सऊदी अरब में भी एक विमान दुर्घटना हुई, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और विशेषज्ञों की टीम घटनास्थल से सबूत जुटा रही है। हादसे के बाद सुरक्षा मानकों की समीक्षा पर भी जोर दिया जा रहा है।विमानन विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे विमानों, प्रशिक्षण उड़ानों और साहसिक गतिविधियों में उपयोग होने वाले विमानों की नियमित तकनीकी जांच और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन बेहद जरूरी है। इन दोनों हादसों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि विमानन क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी किसी भी प्रकार की चूक गंभीर और दुखद परिणामों का कारण बन सकती है।

शेख हसीना का बड़ा ऐलान

हर हाल में बांग्लादेश लौटने की कही बात

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी राजनीतिक वापसी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि वे इसी वर्ष बांग्लादेश लौटेंगी और अपनी पार्टी अवामी लीग के लिए संघर्ष जारी रखेंगी। सत्ता से हटने के बाद से वे भारत में रह रही हैं और लगातार बांग्लादेश की राजनीतिक परिस्थितियों पर अपनी प्रतिक्रिया देती रही हैं।एक हालिया साक्षात्कार में शेख हसीना ने अपने खिलाफ चल रही कानूनी प्रक्रियाओं और अदालतों के फैसलों को राजनीतिक प्रेरित बताया। उनका आरोप है कि उनके और उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई का उद्देश्य अवामी लीग को कमजोर करना है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक राजनीति में जनता के समर्थन से बड़ी कोई ताकत नहीं होती और वे किसी भी दबाव के आगे झुकने वाली नहीं हैं।शेख हसीना ने यह भी कहा कि उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर दी जा रही धमकियों से कोई भय नहीं है। उन्होंने अपने जीवन की कठिन परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने पहले भी बड़े राजनीतिक और व्यक्तिगत संकटों का सामना किया है। इसलिए वे देश और लोकतंत्र के लिए संघर्ष जारी रखेंगी।उनके इस बयान ने बांग्लादेश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि शेख हसीना वास्तव में बांग्लादेश लौटती हैं तो वहां की राजनीतिक स्थिति और अधिक सक्रिय हो सकती है। अवामी लीग के समर्थक इसे पार्टी के लिए सकारात्मक संकेत मान रहे हैं, जबकि विरोधी दल इसे राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति बता रहे हैं।बांग्लादेश की राजनीति लंबे समय से ध्रुवीकरण का सामना कर रही है। ऐसे में शेख हसीना की संभावित वापसी आने वाले समय में देश की राजनीतिक दिशा को प्रभावित कर सकती है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि उनकी वापसी कब और किन परिस्थितियों में होती है।

पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड में जांच तेज

लोहागढ़ किले पर दोबारा बनाया गया घटनाक्रम

पुणे के चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड में पुलिस जांच लगातार आगे बढ़ रही है। मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस ने आरोपी मंगेतर और उसके कथित प्रेमी को लेकर लोहागढ़ किले पर घटनास्थल का पुनर्निर्माण (क्राइम सीन रीक्रिएशन) किया। जांच एजेंसियों का मानना है कि घटनास्थल पर आरोपियों की मौजूदगी में पूरे घटनाक्रम को दोबारा समझने से हत्या के समय, घटनाओं के क्रम और आरोपियों के बयानों की सच्चाई का पता लगाने में मदद मिलेगी।पुलिस के अनुसार, केतन अग्रवाल की मौत शुरू में एक दुर्घटना प्रतीत हो रही थी, लेकिन जांच के दौरान कई ऐसे तथ्य सामने आए जिन्होंने हत्या की आशंका को मजबूत कर दिया। इसके बाद मृतक की मंगेतर और उसके कथित प्रेमी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जांच में मिले कुछ डिजिटल साक्ष्यों और कॉल रिकॉर्ड्स ने भी पुलिस का ध्यान इस दिशा में आकर्षित किया।लोहागढ़ किले पर पुनर्निर्माण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने आरोपियों से घटना से जुड़े हर कदम को दोहराने को कहा। अधिकारियों का उद्देश्य यह जानना था कि घटना के समय कौन कहां मौजूद था और कथित हत्या को किस तरह अंजाम दिया गया। जांच टीम अब फोरेंसिक रिपोर्ट, मोबाइल डेटा और आरोपियों के बयानों का मिलान कर रही है।यह मामला पूरे महाराष्ट्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी तरह वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है और सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। आने वाले दिनों में फोरेंसिक रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्य इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होंगे पंजाब के सभी

AAP विधायक और मंत्री, सीएम मान ने किया बड़ा ऐलान

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़ा ऐलान किया है। सीएम मान ने कहा है कि 29 जून को पंजाब सरकार के सभी कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी के सभी विधायक अमृतसर स्थित सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था 'श्री अकाल तख्त साहिब' के सामने पेश होंगे। दरअसल, श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से 'आप' के मंत्रियों और विधायकों को कुछ वैचारिक मुद्दों पर अपना पक्ष रखने के लिए तलब किया गया था (बुलाया गया था), जिसके बाद पार्टी ने यह कलेक्टिव डिसीजन लिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने साफ किया कि आम आदमी पार्टी और पंजाब सरकार श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता का दिल से आदर करती है। उन्होंने कहा, "श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से हमारे विधायकों और मंत्रियों को कुछ विचारों के लिए, अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया है। हमारे सभी विधायक और मंत्री तय समय पर वहां जाएंगे। हम अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता को सबसे महान मानते हैं।" सीएम ने अपनी एक पुरानी बात याद दिलाते हुए कहा कि उन्हें भी जब पहले बुलाया गया था, तो वे राष्ट्रपति जी का प्रोग्राम बीच में छोड़कर अकाल तख्त साहिब पर नतमस्तक होने पहुंचे थे। मान ने आगे कहा कि जो भी निर्देश या फैसला अकाल तख्त साहिब की तरफ से आएगा, उसे पूरी श्रद्धा, मर्यादा और सम्मान के साथ माना जाएगा।मुख्यमंत्री ने बताया कि अकाल तख्त साहिब की तरफ से कुछ मंत्रियों से खास विषयों पर लिखित में स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। ऐसे में सभी संबंधित मंत्री पूरी तैयारी के साथ अपना जवाब लिखित रूप में वहां सौंपेंगे। सोमवार को होने वाली इस पेशी के दौरान पंजाब के सभी 'आप' विधायक, कैबिनेट मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां भी वहां मौजूद रहेंगे। मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने साफ किया कि फिलहाल उन्हें पर्सनल लेवल पर अकाल तख्त साहिब द्वारा तलब नहीं किया गया है। चूंकि यह बुलावा पार्टी के दूसरे मंत्रियों और विधायकों के लिए है, इसलिए वे सभी वहां जाकर सरकार और पार्टी का पक्ष पूरी मजबूती व विनम्रता से रखेंगे।

करांची हमले को लेकर पाकिस्तान के आरोपों पर भारत का सख्त जवाब

करांची में हुए हालिया हमले को लेकर पाकिस्तान द्वारा लगाए गए आरोपों को भारत ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पाकिस्तान बिना किसी प्रमाण के भारत को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है और उसे दूसरों पर आरोप लगाने के बजाय अपने देश में मौजूद आतंकवादी नेटवर्क और चरमपंथी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। भारत का यह बयान ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान के कुछ राजनीतिक और सुरक्षा अधिकारियों ने करांची में हुई हिंसक घटना के पीछे भारत का हाथ होने का संकेत दिया था।विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत का इस घटना से कोई संबंध नहीं है और पाकिस्तान द्वारा लगाए गए आरोप तथ्यहीन हैं। भारत ने कहा कि किसी भी घटना की निष्पक्ष जांच पूरी होने से पहले दूसरे देश पर आरोप लगाना गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार है। भारतीय अधिकारियों ने यह भी कहा कि पाकिस्तान लंबे समय से अपनी आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों और आतंकवाद की समस्या से जूझ रहा है, लेकिन अक्सर वह इन मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए बाहरी शक्तियों को दोषी ठहराने की कोशिश करता है।भारत ने दोहराया कि उसकी नीति आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की है। नई दिल्ली का कहना है कि वह किसी भी प्रकार की आतंकवादी या हिंसक गतिविधि का समर्थन नहीं करता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ सहयोग को बढ़ावा देने का पक्षधर है। भारतीय पक्ष ने यह भी याद दिलाया कि वैश्विक मंचों पर कई बार पाकिस्तान से आतंकवादी ढांचे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने की अपेक्षा की गई है।विशेषज्ञों का मानना है कि करांची जैसे बड़े शहर में सुरक्षा संबंधी घटनाएं पाकिस्तान के लिए गंभीर चुनौती हैं। ऐसे मामलों में त्वरित राजनीतिक आरोप लगाने के बजाय तथ्यों पर आधारित जांच अधिक महत्वपूर्ण होती है। इस बीच दोनों देशों के बीच बयानबाजी से कूटनीतिक तनाव बढ़ने की संभावना भी जताई जा रही है।फिलहाल करांची हमले की जांच जारी है और पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियां विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं। भारत ने उम्मीद जताई है कि जांच निष्पक्ष तरीके से होगी और बिना सबूत के लगाए गए आरोपों से क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए दोनों देशों के बीच जिम्मेदार कूटनीतिक व्यवहार की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इस अनोखी शादी की चर्चा पूरे देश में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने बेहद लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें एपिसोड में महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के एक परिवार की दिल छू लेने वाली कहानी देश के सामने रखी है। पीएम मोदी ने बताया, "नांदेड़ के बहादुरपुरा गांव में रहने वाले पेठकर परिवार ने समाज सेवा की एक बहुत ही अनोखी मिसाल पेश की है। इस परिवार का मानना था कि अगर उन्हें अपने घर की खुशी को दूसरों के साथ शेयर करना है, तो उन्हें कुछ ऐसा देना चाहिए जो किसी परिवार के मुश्किल समय में उसका सहारा बन सके।" इसी नेक सोच के साथ, पेठकर परिवार ने अपने घर में हुई एक शादी के शुभ अवसर पर गांव के करीब 3,500 लोगों का एक्सीडेंट इंश्योरेंस करवा दिया। पीएम मोदी ने इस पहल की तारीफ करते हुए आगे कहा कि परिवार की तरफ से गांव के हर एक व्यक्ति को पूरे एक लाख रुपये का इंश्योरेंस कवर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस पूरी पहल के पीछे जो भावना और सोच छिपी है, वह सचमुच दिल को छू लेने वाली और हर किसी के लिए प्रेरणादायक है। पेठकर परिवार ने शादी के फिजूलखर्चों को कम करके उस पैसे को समाज की भलाई और सुरक्षा में लगाकर एक नई राह दिखाई है।

24वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को मिली डिग्रियां,

मेधावियों का सम्मान

टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज़ के 24वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उपाधियां और स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि प्रो. संजय द्विवेदी ने एआई युग में निरंतर सीखने, नवाचार, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व पर बल दिया।

टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज़ (TIAS) में शनिवार को 24वें वार्षिक दीक्षांत समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के चेयरमैन डॉ. आर. के. गुप्ता ने की। इस अवसर पर भारतीय जन संचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक और प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. संजय द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में तथा वरिष्ठ उद्योग विशेषज्ञ श्री संतोष मित्तल विशिष्ट अतिथि के नाते उपस्थित रहे। समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ. अजय गुप्ता, डीन डॉ. एम. एन. झा, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्थान के विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सफल विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपाधियाँ प्रदान की गईं। साथ ही विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया। उपाधि एवं सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के चेहरे पर उपलब्धि, आत्मविश्वास और भविष्य के प्रति आशा का विशेष उत्साह स्पष्ट दिखाई दे रहा था। मुख्य अतिथि प्रो. संजय द्विवेदी ने दीक्षांत भाषण में विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत केवल शिक्षा की समाप्ति नहीं, बल्कि जीवन की नई जिम्मेदारियों का शुभारंभ है। उन्होंने कहा कि आज का युग कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल संचार और तीव्र तकनीकी परिवर्तन का युग है, जिसमें केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं, बल्कि निरंतर सीखना, नवाचार करना और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा, ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज, राष्ट्र तथा मानवता के कल्याण के लिए करें तथा अपने पेशेवर जीवन में नैतिकता, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। प्रोफेसर द्विवेदी ने अध्यापकों का आह्वान किया कि वे एआई के समय में अपने विद्यार्थियों को डिजिटल ट्रांसफार्मेशन के लिए तैयार करें। विशिष्ट अतिथि संतोष मित्तल ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को वैश्विक कॉर्पोरेट जगत की बदलती आवश्यकताओं, नेतृत्व क्षमता, नवाचार, टीमवर्क तथा जीवनपर्यंत सीखने की संस्कृति को अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सफलता उन्हीं को प्राप्त होती है जो बदलते परिवेश के अनुरूप स्वयं को निरंतर विकसित करते रहते हैं। समारोह के अध्यक्ष संस्थान के चेयरमैन डॉ. आर. के. गुप्ता ने बताया कि टीआईएएस गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, उद्योग-अकादमिक सहभागिता तथा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे अपने ज्ञान, प्रतिभा और नैतिक मूल्यों के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

एशियाई शेयर बाजारों में भारी गिरावट, तकनीकी शेयरों में बिकवाली तेज

वैश्विक शेयर बाजारों में एक बार फिर भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। शुक्रवार को एशिया के अधिकांश प्रमुख बाजारों में तेज गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा दबाव तकनीकी कंपनियों के शेयरों पर रहा, जिससे निवेशकों के बीच चिंता का माहौल बन गया। मौजूद जानकारी के अनुसार दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और हांगकांग के बाजारों में बड़े पैमाने पर बिकवाली देखने को मिली है। दक्षिण कोरिया का प्रमुख कोस्पी सूचकांक 8.2 प्रतिशत तक टूट गया। बाजार में अचानक आई इस बड़ी गिरावट के बाद नियामक संस्थाओं को लगभग 20 मिनट के लिए कार्यक्रम आधारित कारोबार रोकना पड़ा। इसे बाजार में असामान्य उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए उठाया गया कदम माना जा रहा है। वहीं जापान का निक्केई 225 सूचकांक करीब 5 प्रतिशत गिर गया। हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 2.4 प्रतिशत और चीन का सीएसआई 300 सूचकांक लगभग 2.9 प्रतिशत कमजोर हुआ। इसके अलावा शंघाई संयुक्त सूचकांक में भी 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। बता दें कि यह गिरावट केवल एशिया तक सीमित नहीं रही। इससे पहले अमेरिकी बाजारों में भी तकनीकी कंपनियों के शेयरों में बड़ी बिकवाली देखने को मिली थी। इसका सीधा असर एशियाई बाजारों पर पड़ा। विशेष रूप से दुनिया की बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल के शेयरों में 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट ने निवेशकों का भरोसा कमजोर किया है। कंपनी ने स्मृति चिप और भंडारण उपकरणों की बढ़ती लागत के कारण अपने कुछ उत्पादों की कीमतें बढ़ाने की घोषणा की थी, जिसके बाद बाजार की धारणा प्रभावित हुई।

राज्यसभा में PM बोले-कांग्रेस के वक्त डील यानी बोफोर्स घोटाला

'त्रिकाल संध्या' आपातकाल के खिलाफ ऐतिहासिक काव्य-प्रतिरोध: वक्ता

'त्रिकाल संध्या' पुस्तक भवानी प्रसाद मिश्र का एक ऐतिहासिक कविता संग्रह है, जो आपातकाल की क्रूरता पर प्रहार करता है। वे केवल शिकायत नहीं करते, बल्कि अपनी कविताओं को ही प्रतिरोध का एक सक्रिय माध्यम बना देते हैं। वे घने अंधकार में भी उम्मीद और उजाले का रास्ता सुझाते हैं। यह कहना है सुप्रसिद्ध साहित्यकार शकुंतला मित्तल का। वे अखिल भारतीय साहित्य परिषद् से संबद्ध इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती द्वारा शनिवार को प्रवासी भवन, नई दिल्ली में भवानी प्रसाद मिश्र कृत 'त्रिकाल संध्या (आपातकाल की कविताएं)' पुस्तक पर आयोजित चर्चा में अपने विचार व्यक्त कर रही थी। मित्तल ने कहा कि इस पुस्तक में कवि ने इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में देश पर थोपे गए आपातकाल के दौरान की परिस्थितियों को लेकर अपनी पीड़ा, आक्रोश, वेदना और चुनौती को बहुत ही सहज लेकिन धारदार शब्दों में व्यक्त किया है। वरिष्ठ साहित्यकार सुरेन्द्र कुमार अरोड़ा ने कहा कि जब देश में आपातकाल के दौरान लोगों की गिरफ्तारी, प्रेस पर सेंसरशिप, लोकतंत्र की हत्या और अभिव्यक्ति की आजादी पर प्रतिबंध लगाकर भय का माहौल व्याप्त किया गया, तब भवानी प्रसाद मिश्र नियमबद्ध तरीके से (त्रिकाल—सुबह, दोपहर, शाम) कविताएं लिख रहे थे। यह भाव उनके क्रांतिकारी मन की उपज था, जिसका लोगों पर प्रभाव पड़ा। साहित्यकार डॉ. नवीन नीरज ने कहा कि आपातकाल के दौरान अनेक क्रांतिकारी कविता लिखने वाले कवि सत्ता के डर से मूकदर्शक बने हुए थे, वहीं भवानी प्रसाद मिश्र ने त्रिकाल संध्या के रूप में कविताएं लिखकर सार्थक प्रतिरोध किया। युवा लेखिका गुंजन शर्मा ने कहा कि भवानी प्रसाद मिश्र आपातकाल जैसे जटिल माहौल में भी अपनी साहित्यिक शैली की सरलता और बोलचाल की भाषा को नहीं छोड़ा और सहजता से

शेख हसीना का बड़ा ऐलान, इसी साल बांग्लादेश लौटने की कही बात

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी वतन वापसी को लेकर एक बहुत बड़ा और चौंकाने वाला ऐलान किया है। दो साल पहले अमेरिका और पाकिस्तान समर्थित एक तख्तापलट के जरिए सत्ता से हटाए जाने के बाद से शेख हसीना भारत में रह रही हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी वापसी पर बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए साफ कर दिया है कि वे इसी साल बांग्लादेश वापस लौटेंगी। शेख हसीना ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश की अदालतों द्वारा उनके खिलाफ दिए जा रहे फैसले पूरी तरह राजनीति से प्रेरित हैं और यह उनकी पार्टी 'अवामी लीग' को कमजोर और नेता विहीन बनाने की एक सोची-समझी साजिश है, जिसे वे कभी कामयाब नहीं होने देंगी। NDTV को दिए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में शेख हसीना ने बांग्लादेशी अदालतों के फैसलों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, "मेरे खिलाफ जो भी फैसले आए हैं, वे न्याय नहीं हैं। यह पूरी प्रक्रिया गैर-कानूनी, असंवैधानिक और राजनीतिक मकसद से प्रेरित है। अवामी लीग को खत्म करने के लिए वहां की न्यायपालिका को राजनीतिक बदले का हथियार बना दिया गया है।" हसीना ने आगे कहा कि ऐसी साजिशें और कोशिशें इतिहास में पहले भी की गई हैं, जो तब भी नाकाम रही थीं और आगे भी पूरी तरह नाकाम साबित होंगी। बांग्लादेश के कट्टरपंथियों की तरफ से मिल रही लगातार धमकियों को दरकिनार करते हुए शेख हसीना ने कहा कि उन्हें मौत का कोई खौफ नहीं है। इंटरव्यू के दौरान वे काफी भावुक भी नजर आईं और उन्होंने बांग्लादेश के संस्थापक व अपने पिता शेख मुजीबुर्रहमान की क्रूर हत्या और 1975 में अपने पूरे परिवार को खोने के काले दिनों को याद किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इतनी बड़ी त्रासदियों को झेलने के बाद भी वे देश की भलाई के लिए पीछे नहीं हटेंगी और इस साल हर हाल में बांग्लादेश कदम रखेंगी।

सीजफायर के बाद फिर भड़का अमेरिका-ईरान तनाव, ट्रंप की बड़ी चेतावनी

शांति समझौते के कुछ ही समय बाद अमेरिका और ईरान के बीच का तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को बेहद सख्त शब्दों में खुली धमकी दी है। ट्रंप ने साफ कहा कि अगर ईरान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया, तो उसे दुनिया के नक्शे से ही मिटा दिया जाएगा। यह धमकी तब आई है जब दोनों देशों ने एक-दूसरे के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए हैं, जिससे इस पूरे इलाके में फिर से भयानक युद्ध छिड़ने का डर पैदा हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार सुबह अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट लिखकर पूरी दुनिया को चौंका दिया। उन्होंने बताया कि अमेरिकी सेना ने ईरान पर फिर से बड़े हमले किए हैं। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए लिखा कि अगर ईरान अब भी सबक नहीं सीखता है, तो हमें मजबूरन मिलिट्री पावर का पूरा इस्तेमाल करना पड़ेगा। उन्होंने सीधे तौर पर कहा कि

अगर ऐसा हुआ, तो ईरान का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। ट्रंप के मुताबिक, ईरान ने सीजफायर का सम्मान नहीं किया, इसलिए अमेरिकी विमानों ने उनके मिसाइल-ड्रोन डिपो और तटीय रडार साइटों को तबाह कर दिया। दूसरी तरफ, ईरान ने भी अमेरिका पर वादाखिलाफी का बड़ा आरोप लगाया है। ईरान का कहना है कि अमेरिकी एयरफोर्स ने उनके दक्षिणी तट पर मौजूद सर्विलांस ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरान के मुताबिक, ये हमले उस अंतरिम समझौते का सरेआम उल्लंघन हैं, जो दोनों देशों के बीच पिछले चार महीने से चल रही जंग को रोकने के लिए किया गया था। ईरान ने तंज कसते हुए कहा कि पीठ पीछे वार करना और अपने वादों को तोड़ना अमेरिका की पुरानी आदत है।

संपादक की कलम से

पानी केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। इसके बिना मानव जीवन, कृषि, उद्योग और पर्यावरण की कल्पना भी संभव नहीं है। विडंबना यह है कि जिस जल को प्रकृति ने अमूल्य धरोहर के रूप में हमें सौंपा है, उसी का सबसे अधिक दुरुपयोग भी हम ही कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों में हर वर्ष गर्मियों के दौरान जल संकट गंभीर रूप ले लेता है। कहीं पेयजल के लिए लंबी कतारें लगती हैं तो कहीं किसान सिंचाई के अभाव में अपनी फसलें बचाने के लिए संघर्ष करते हैं। यह स्थिति स्पष्ट संकेत देती है कि यदि अभी भी जल संरक्षण को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और विकराल हो सकता है।भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में शामिल है, जबकि मीठे जल के संसाधन सीमित हैं। बढ़ती जनसंख्या, अनियोजित शहरीकरण, भूजल का अत्यधिक दोहन, नदियों का प्रदूषण और वर्षा जल के उचित संचयन की कमी ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। अनेक शहरों में भूजल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है। कई नदियां औद्योगिक अपशिष्ट और घरेलू कचरे के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं, जिससे स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता प्रभावित हो रही है।सरकार ने जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। 'जल जीवन मिशन', 'अटल भूजल योजना' और वर्षा जल संचयन जैसी पहलें सकारात्मक दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कई राज्यों में तालाबों और जलाशयों के पुनर्जीवन का कार्य भी किया जा रहा है। हालांकि, केवल सरकारी योजनाओं के भरोसे इस चुनौती का समाधान संभव नहीं है। जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति जल संरक्षण को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं मानेगा, तब तक अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होंगे। हर नागरिक अपने स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास करके बड़ा बदलाव ला सकता है। घरों में पानी की बर्बादी रोकना, वर्षा जल संचयन को अपनाना, रिसाव वाले नलों की मरम्मत कराना, पेड़ों का संरक्षण और जल स्रोतों को स्वच्छ रखना ऐसे कदम हैं, जिनका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। कृषि क्षेत्र में ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देकर भी पानी की बड़ी मात्रा बचाई जा सकती है।विद्यालयों और महाविद्यालयों में जल संरक्षण को व्यवहारिक शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी बचपन से ही इस विषय के प्रति संवेदनशील बने। मीडिया, सामाजिक संगठनों और स्थानीय प्रशासन को भी जन-जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को पानी के महत्व और उसके संरक्षण के प्रति प्रेरित करना चाहिए। जल संकट केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का भी प्रश्न है।

भगवंत मान का बड़ा ऐलान,

29 जून को अकाल तख्त साहिब पहुंचेगी पूरी 'आप'

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की कि 29 जून को सभी कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी के विधायक अमृतसर स्थित श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होंगे। पार्टी अकाल तख्त की सर्वोच्चता का सम्मान करते हुए अपना पक्ष और स्पष्टीकरण प्रस्तुत करेगी।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़ा ऐलान किया है। सीएम मान ने कहा है कि 29 जून को पंजाब सरकार के सभी कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी के सभी विधायक अमृतसर स्थित सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था 'श्री अकाल तख्त साहिब' के सामने पेश होंगे। दरअसल, श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से 'आप' के मंत्रियों और विधायकों को कुछ वैचारिक मुद्दों पर अपना पक्ष रखने के लिए तलब किया गया था (बुलाया गया था), जिसके बाद पार्टी ने यह कलेक्टिव डिसीजन लिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने साफ किया कि आम आदमी पार्टी और पंजाब सरकार श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता का दिल से आदर करती है। उन्होंने कहा, "श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से हमारे विधायकों और मंत्रियों को कुछ विचारों के लिए, अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया है। हमारे सभी विधायक और मंत्री तय समय पर वहां जाएंगे। हम अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता को सबसे महान मानते हैं।" सीएम ने अपनी एक पुरानी बात याद दिलाते हुए कहा कि उन्हें भी जब पहले बुलाया गया था, तो वे राष्ट्रपति जी का प्रोग्राम बीच में छोड़कर अकाल तख्त साहिब पर नतमस्तक होने पहुंचे थे। मान ने आगे कहा कि जो भी निर्देश या फैसला अकाल तख्त साहिब की तरफ से आएगा, उसे पूरी श्रद्धा, मर्यादा और सम्मान के साथ माना जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि अकाल तख्त साहिब की तरफ से कुछ मंत्रियों से खास विषयों पर लिखित में स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। ऐसे में सभी संबंधित मंत्री पूरी तैयारी के साथ अपना जवाब लिखित रूप में वहां सौंपेंगे। सोमवार को होने वाली इस पेशी के दौरान पंजाब के सभी 'आप' विधायक, कैबिनेट मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां भी वहां मौजूद रहेंगे। मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने साफ किया कि फिलहाल उन्हें पर्सनल लेवल पर अकाल तख्त साहिब द्वारा तलब नहीं किया गया है। चूंकि यह बुलावा पार्टी के दूसरे मंत्रियों और विधायकों के लिए है, इसलिए वे सभी वहां जाकर सरकार और पार्टी का पक्ष पूरी मजबूती व विनम्रता से रखेंगे।

खड़गे का बड़ा फैसला, मणिकम टैगोर को सौंपी तमिलनाडु कांग्रेस की कमान

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को घोषणा की कि कांग्रेस सांसद बी. मणिकम टैगोर को तत्काल प्रभाव से तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी (TNPCC) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (AICC) ने महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के हस्ताक्षर वाली एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस नियुक्ति की पुष्टि की। बयान में कहा गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने बी मणिकम टैगोर को तत्काल प्रभाव से तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी ने राज्य इकाई के निवर्तमान प्रमुख के. सेल्वापेरुन्थागाई के योगदान की भी सराहना की। यह संगठनात्मक बदलाव तमिलनाडु में बड़े राजनीतिक बदलाव के साथ हुआ है, क्योंकि उसी दिन मारुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (MDMK) ने DMK के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (SPA) से आधिकारिक तौर पर अपना समर्थन वापस ले लिया। इस गठबंधन ने नौ साल तक तमिलनाडु की राजनीति में दबदबा बनाए रखा था, लेकिन अब इसने DMK के नेतृत्व वाले गुट से अपना नाता औपचारिक रूप से तोड़ लिया है। MDMK ने कहा कि वह गठबंधन में इसलिए शामिल हुई और बनी रही ताकि तमिलनाडु में "सांप्रदायिक राजनीतिक ताकतों" को असरदार होने से रोका जा सके और द्रविड़ आंदोलन के सिद्धांतों को बनाए रखा जा सके। पार्टी ने AIADMK को सत्ता में लाने के इंतज़ामों की आलोचना की—जिसने विधानसभा की सिर्फ़ 47 सीटें जीती थीं—और जिसे हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक ताकतों का समर्थन हासिल था। पार्टी का कहना था कि इससे SPA के उस दावे को कमज़ोर किया गया कि वह विचारधारा और सिद्धांतों पर आधारित है।

TET परीक्षा रद्द होने पर राहुल गांधी का हमला, बोले- युवाओं का भविष्य लूटा जा रहा

महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) 2026 को शनिवार को टाल दिया गया, क्योंकि कथित तौर पर प्रश्न पत्र के कुछ हिस्से लीक हो गए थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि देश की शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को "वसूली का तंत्र" बना दिया गया है। यह परीक्षा रविवार को होनी थी। एक और पेपर लीक। एक और परीक्षा रद्द। इस बार महाराष्ट्र की TET परीक्षा। कांग्रेस सांसद ने एक्स पर कहा देश के शिक्षा और परीक्षा सिस्टम को उगाही का ज़रिया बना दिया गया है, जिससे देश का हर युवा असुरक्षित महसूस कर रहा है। यह सिर्फ़ पेपर लीक नहीं है, बल्कि युवाओं के भविष्य की चोरी है। इससे पहले, महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद (MSCE) ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि भिवंडी में पुलिस जांच के दौरान कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक होने की बात सामने आने के बाद, पूरे राज्य में 28 जून को होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) को स्थगित कर दिया गया है। यह परीक्षा पूरे महाराष्ट्र में 1,028 केंद्रों पर आयोजित की जानी थी। MSCE ने अपनी सार्वजनिक सूचना में कहा कि NEET 2026 परीक्षा के दौरान सामने आई गड़बड़ियों को

देखते हुए उसने सुरक्षा के सभी ज़रूरी इंतज़ाम किए थे, लेकिन शनिवार की सुबह मिली गोपनीय जानकारी से पता चला कि भिवंडी में कुछ लोगों के पास TET प्रश्न-पत्र से जुड़ी जानकारी थी। काउंसिल ने बताया कि भिवंडी पुलिस ने उस जगह पर छापा मारा और जांच के दौरान पाया कि अनधिकृत प्रश्न-पत्र के कई सवाल असली TET परीक्षा के प्रश्न-पत्र से मेल खाते थे। बयान के अनुसार, भिवंडी पुलिस ने इसमें शामिल लोगों के ख़िलाफ़ मामला दर्ज कर लिया है। काउंसिल ने कहा, हालात को देखते हुए, 28 जून 2026 को होने वाली टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (TET) को टाल दिया गया है। इस मामले की विस्तृत जांच के आदेश भी दिए गए हैं।" साथ ही यह भी बताया गया कि परीक्षा से जुड़ी नई जानकारी काउंसिल की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

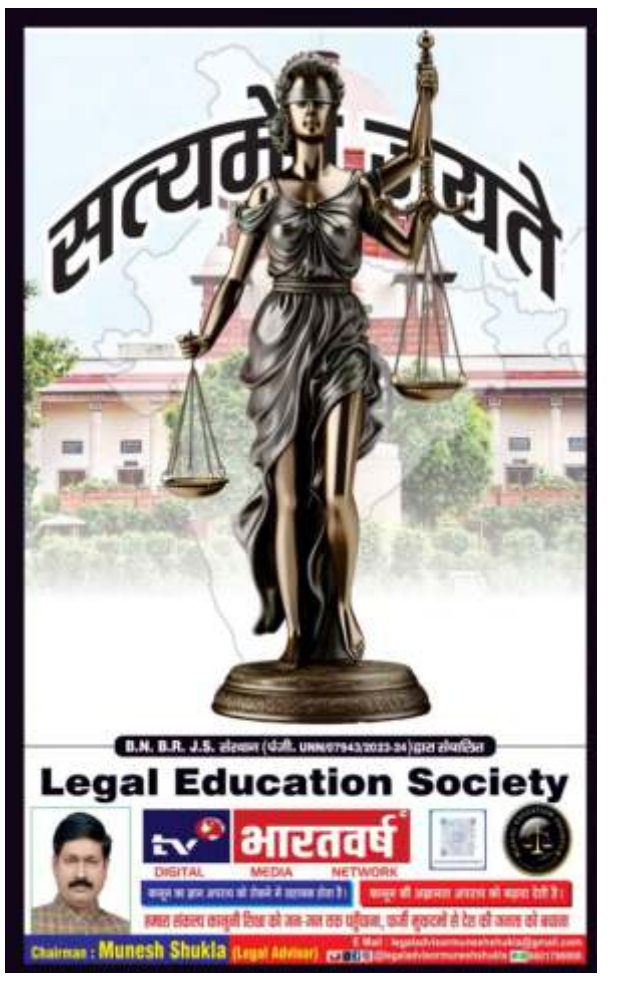

31 लाख छात्रों के लिए CISCE की नई पहल स्कूलों में शुरू होगा फिटनेस असेसमेंट कार्यक्रम

स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस (CISCE) ने देशभर में अपने संबद्ध स्कूलों के 31 लाख से अधिक विद्यार्थियों के लिए 'ACTIVE CISCE' नामक राष्ट्रीय फिटनेस आकलन कार्यक्रम शुरू किया है। यह पहल विद्यार्थियों के शारीरिक स्वास्थ्य, फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।इस कार्यक्रम के तहत कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों की आयु के अनुसार निर्धारित शारीरिक परीक्षण किए जाएंगे। इन परीक्षणों के माध्यम से छात्रों की शारीरिक क्षमता, सहनशक्ति, लचीलापन, संतुलन, गति और बॉडी मास इंडेक्स (BMI) जैसे विभिन्न मानकों का मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक छात्र को उसकी आयु और लिंग के अनुरूप व्यक्तिगत फिटनेस रिपोर्ट कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे अभिभावक और शिक्षक उसकी शारीरिक प्रगति का नियमित आकलन कर सकेंगे।CISCE का कहना है कि शिक्षा केवल परीक्षा और अंकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। विद्यार्थियों का मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक विकास भी समान रूप से आवश्यक है। इसी सोच के तहत यह कार्यक्रम शुरू किया गया है, ताकि स्कूलों में खेल और शारीरिक गतिविधियों को नियमित शिक्षा प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जा सके।कार्यक्रम को तकनीक से भी जोड़ा गया है। स्कूलों को एक विशेष ऑनलाइन पोर्टल उपलब्ध कराया गया है, जहां विद्यार्थियों के फिटनेस परीक्षण का डेटा अपलोड किया जाएगा। इसके आधार पर स्वचालित रिपोर्ट तैयार होगी और समय-समय पर विद्यार्थियों की प्रगति का रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाएगा। इससे स्कूल, शिक्षक और अभिभावक बच्चों के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रख सकेंगे।विशेषज्ञों का मानना है कि आज के समय में बच्चों का स्क्रीन टाइम लगातार बढ़ रहा है, जिससे मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे में स्कूल स्तर पर नियमित फिटनेस मूल्यांकन बच्चों को खेल, व्यायाम और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। यह पहल भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य और अनुशासित जीवनशैली विकसित करने में भी सहायक हो सकती है।CISCE के अनुसार, यह कार्यक्रम केवल एक फिटनेस टेस्ट नहीं बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास की दीर्घकालिक योजना है। परिषद का उद्देश्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी शारीरिक क्षमता को समझे, स्वस्थ जीवनशैली अपनाए और पढ़ाई के साथ-साथ खेल एवं फिटनेस को भी समान महत्व दे। इस पहल को भारत के विद्यालयी शिक्षा क्षेत्र में स्वास्थ्य और फिटनेस को संस्थागत रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

CBSE ने विदेशी भाषाओं को लेकर दी बड़ी राहत, कक्षा 7 से 9 के छात्रों के लिए पुराने विकल्प रहेंगे जारी

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने कक्षा 7 से 9 के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बड़ी राहत देते हुए विदेशी भाषाओं के अध्ययन को लेकर अपनी नीति में महत्वपूर्ण स्पष्टता प्रदान की है। बोर्ड ने कहा है कि वर्तमान में कक्षा 7, 8 और 9 में पढ़ रहे विद्यार्थी अपनी चुनी हुई विदेशी भाषा को कक्षा 10 तक जारी रख सकेंगे। यह निर्णय नई शिक्षा नीति (NEP 2020) के तहत लागू की जा रही त्रिभाषा व्यवस्था को लेकर छात्रों और स्कूलों के बीच उत्पन्न भ्रम को दूर करने के उद्देश्य से लिया गया है।कुछ सप्ताह पहले CBSE ने नई भाषा नीति के तहत भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिशा-निर्देश जारी किए थे। इसके बाद कई स्कूलों, अभिभावकों और विद्यार्थियों ने चिंता व्यक्त की थी कि क्या विदेशी भाषाएं, जैसे फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश या जापानी, अब माध्यमिक स्तर पर जारी नहीं रह पाएंगी। इस भ्रम को दूर करते हुए बोर्ड ने स्पष्ट किया कि पहले से इन भाषाओं का अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।CBSE के अनुसार, यह व्यवस्था केवल वर्तमान बैच के लिए संक्रमणकालीन (Transitional) प्रावधान है। यानी जो छात्र पहले से विदेशी भाषा पढ़ रहे हैं, वे बिना किसी बाधा के उसी भाषा के साथ कक्षा 10 तक अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेंगे। इससे लाखों विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई बीच में बदलने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और उनकी शैक्षणिक निरंतरता बनी रहेगी। बोर्ड ने यह भी दोहराया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन पर विशेष बल देती है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा और अन्य भारतीय भाषाओं से जोड़ना है। हालांकि, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि पहले से विदेशी भाषा का अध्ययन कर रहे छात्रों के हित प्रभावित न हों।

श्रेयस अय्यर की शर्मनाक क्लब में एंट्री, शुरुआती दो T20 मैच हारने वाले दूसरे भारतीय कप्तान बने

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 ऑस्ट्रेलिया के हाथों 6 विकेट से हार

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में रविवार को लॉर्ड्स में ग्रुप-ए का बेहद अहम मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत के तूफानी अर्धशतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया के सामने 171 रन का लक्ष्य रखा, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका ग्रुप ए से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं तो भारत का सफर यहीं खत्म हो गया है। भारतीय टीम की इस हार ने करोड़ों फैंस को निराश किया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए पारी की शुरुआत स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 9.1 ओवर में 66 रन की साझेदारी की। टी20 के लिहाज से यह साझेदारी बेहद धीमी रही। शेफाली पहले विकेट के रूप में 26 गेंदों पर 34 रन बनाकर आउट हुईं। शेफाली के जाने के बाद 83 के स्कोर पर मंधाना भी दूसरे विकेट के रूप में आउट हो गईं। मंधाना ने 37 गेंदों पर 38 रन की पारी खेली। इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर ने भारतीय पारी को संभाला। जेमिमा 28 गेंदों पर 1 छक्का और 1 चौके की मदद से 34 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुईं। वहीं, दूसरे छोर से हरमन ने कप्तानी पारी खेली। दाएं हाथ की इस विस्फोटक बल्लेबाज ने आखिरी ओवर में 3 छक्के लगाते हुए टीम का स्कोर 4 विकेट पर 170 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। 171 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने 6 गेंद शेष रहते छह विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

आयरलैंड ने T20I क्रिकेट में रचा इतिहास

टीम इंडिया का 2-0 से सूपड़ा साफ

भारत और आयरलैंड के बीच दो मैचों की सीरीज का दूसरा और आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला रविवार को बेलफास्ट स्थित सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब के मैदान पर खेला गया। इस मुकाबले में आयरलैंड ने एक रन से रोमांचक जीत दर्ज की है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेजबान टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 154 रन स्कोर बोर्ड पर लगाए। इसके जवाब में भारतीय टीम 9 विकेट के नुकसान पर 153 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ ही आयरलैंड ने इतिहास रच दिया है। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में उसने पहली बार भारत के खिलाफ 2-0 से क्लीन स्वीप किया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड को शानदार शुरुआत मिली। रॉस एडेयर ने पहले ही ओवर में अर्शदीप को लगातार छक्के लगाए, लेकिन हर्षित राणा ने दूसरे ओवर में टिम टेक्टर को आउट कर आयरलैंड 17 के स्कोर पर पहला झटका दिया। आयरलैंड को तब बड़ा झटका लगा जब लोर्कन टकर प्रिंस यादव की गेंद पर विकेट के पीछे कैच आउट हुए और 7.3 ओवर में उनका स्कोर 58/3 हो गया। इसके बाद अपना 100वां T20I मैच खेल रहे हैरी टेक्टर ने पारी को संभाला और उन्हें कैलिट्ज का सपोर्ट मिला। इन दोनों की साझेदारी से लगा कि आयरलैंड को 180 के करीब जा सकती है, लेकिन दुबे ने 15वें ओवर में लगातार गेंदों पर कैलिट्ज़ और गैरेथ डेलानी को आउट करके मैच का रुख मोड़ दिया। इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरे और आयरलैंड की टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 155 रन ही स्कोर बोर्ड पर लगा सकी। आयरलैंड की ओर से हैरी टेक्टर ने सबसे ज्यादा 47 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 53 रन की अर्धशतकीय पारी खेली तो वहीं, बेंजामिन ने 23 गेंदों पर 37 रन बनाए। इनके अलावा अन्य कोई बल्लेबाज 20 का आंकड़ा नहीं छू सका।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टी20 इंटरनेशनल में काफी शर्मनाक शुरुआत

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में सभी को उम्मीद थी कि टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया अपने दबदबे को बरकरार रखने में कामयाब रहेगी, लेकिन उनके नेतृत्व में आगाज काफी शर्मनाक देखने को मिला है। आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट के स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में टीम इंडिया को एक रन से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ आयरलैंड ने जहां पहली बार भारतीय टीम के खिलाफ ना सिर्फ टी20 सीरीज जीती बल्कि क्लीन स्वीप भी करने में कामयाब रही। वहीं साल 2023 के बाद भारतीय टीम को पहली बार किसी टी20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ साल 2023 के अगस्त महीने में खेली गई 5 मैचों की टी20 सीरीज में 3-2 से हार का सामना किया था।भारतीय टीम ने जब साल 2026 का टी20 वर्ल्ड कप सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में जीता था तो सभी को उम्मीद थी कि उनको अभी और कुछ सीरीज में इस जिम्मेदारी को निभाने का मौका मिलेगा, लेकिन बीसीसीआई ने श्रेयस अय्यर को नया कप्तान बनाने का ऐलान कर दिया। अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया ने आयरलैंड के खिलाफ जहां पहले मुकाबले को 34 रनों से गंवाया जो किसी भी फॉर्मेट में टीम इंडिया की ये आयरिश टीम के खिलाफ पहली हार थी, तो वहीं दूसरे टी20 मैच में उनको एक रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम इंडिया ने जहां साल 2023 के बाद टी20 इंटरनेशनल में सीरीज हार का सामना किया है तो वहीं साल 2019 के बाद उन्हें क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा है। इससे पहले भारतीय टीम को साल 2019 में घर पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 मैचों की टी20 सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था।

न ईंट टूटी, न दीवार गिरी

न्यूजीलैंड में कैसे शिफ्ट होता है पूरा घर?

क्या आपने कभी किसी पूरे घर को सड़क पर चलते देखा है? न दीवार टूटी, न छत हटाई गई और न ही ईंटें अलग की गईं. पूरा का पूरा मकान ट्रक पर रखा गया और नई जगह के लिए रवाना हो गया. न्यूजीलैंड का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर भारतीय यूजर्स भी हैरान हैं. यह वीडियो न्यूजीलैंड में रहने वाली भारतीय कंटेंट क्रिएटर डॉली प्रजापति (@dolly_in_new_zealand) ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. वीडियो में देखा जा सकता है कि पहले पूरे घर को हाइड्रॉलिक जैक की मदद से जमीन से ऊपर उठाया जाता है.

इसके बाद उसे एक बड़े स्पेशल ट्रेलर पर रखा जाता है और फिर सड़क के रास्ते दूसरी जगह ले जाया जाता है. पहली नजर में यह किसी फिल्म का सीन लग सकता है, लेकिन न्यूजीलैंड में यह बिल्कुल सामान्य प्रक्रिया है. वहां बड़ी संख्या में घर लकड़ी (वुडन) के बने होते हैं.

चीन का ये तरीका हो रहा वायरल

पेड़ों के लिए भी AC जैसा इंतजाम

दुनियाभर के कई देश इस समय भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान से जूझ रहे हैं. तेज धूप और हीटवेव का असर सिर्फ इंसानों पर ही नहीं, बल्कि पेड़-पौधों पर भी पड़ता है.

ऐसे में चीन के कई शहरों ने पेड़ों को बचाने के लिए एक अनोखा तरीका अपनाया है, जिसकी सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा हो रही है. चीन के कई इलाकों में गर्मियों के दौरान सड़क किनारे लगे बड़े-बड़े पेड़ों पर स्प्रिंकलर लगाए जाते हैं. ये सिस्टम तय समय पर अपने आप चालू होकर पेड़ों पर पानी की बारीक फुहार छोड़ते हैं. इससे पेड़ों को ठंडक मिलती है, मिट्टी में नमी बनी रहती है और तेज गर्मी का असर कम होता है. पेड़ों के तने या आसपास पाइप और छोटे-

छोटे स्प्रिंकलर लगाए जाते हैं. जब तापमान बहुत ज्यादा बढ़ जाता है, तो यह सिस्टम अपने आप चालू हो जाता है. इससे पेड़ों की पत्तियों और तने पर हल्की फुहार पड़ती रहती है. यह प्रक्रिया कुछ मिनटों तक चलती है, जिससे पेड़ सूखने से बचते हैं और उन्हें पर्याप्त नमी मिलती रहती है.

गर्मियों में जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाता है, तब पेड़ों की पत्तियां मुरझाने लगती हैं. लगातार गर्म हवा और तेज धूप के कारण मिट्टी जल्दी सूख जाती है. अगर समय पर पानी न मिले, तो पेड़ों की ग्रोथ रुक सकती है और कई बार वे सूख भी सकते हैं.

ट्रेन में एक गलती से 7 हजार का चालान

क्या आप जानते हैं ट्रेन टिकट बुक करते वक्त एक गलती आपका बड़ा नुकसान करवा सकती है. ऐसा ही कुछ हुआ है, एक शख्स के साथ, जिन्होंने टिकट बुकिंग के वक्त एक गलती कर दी थी, जिसकी वजह से उनका 7000 रुपये का फाइन लग गया. सोशल मीडिया पर एक शख्स की कहानी वायरल हो रही है, जो बेंगलुरु से नागपुर यात्रा कर रहे थे, लेकिन एक गलती की वजह से उनका काफी नुकसान हो गया.

गूगल की नौकरी से नहीं, जुनून से मिली कामयाबी

4 करोड़ की नौकरी छोड़ खोला रेस्टोरेंट

गूगल की ₹4.2 करोड़ सालाना सैलरी वाली नौकरी छोड़कर एक पूर्व टेक प्रोफेशनल ने अपना रेस्टोरेंट शुरू किया. शुरुआत में कई चैलेंज का सामना करने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी.

अक्सर लोग अच्छी नौकरी पाने का सपना देखते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए बड़ी से बड़ी नौकरी छोड़ने का फैसला कर लेते हैं. ऐसी ही एक मोटिवेशनल स्टोरी एक एक्स एंप्लॉयी की है, जिसने करोड़ों रुपये की सैलरी वाली नौकरी छोड़कर अपना रेस्टोरेंट शुरू किया. शुरुआत में लोगों ने उनके फैसले पर सवाल उठाए, लेकिन आज उनका कारोबार करोड़ों रुपये की कमाई कर रहा

है. रिपोर्ट के मुताबिक, इस शख्स की गूगल में सालाना सैलरी करीब 4.2 करोड़ रुपये थी. इसके बावजूद उनके मन में हमेशा अपना कुछ अलग करने की इच्छा थी. उन्हें खाना बनाना और लोगों को अच्छा भोजन परोसना बेहद पसंद था. यही शौक आगे चलकर उनके बिजनेस आइडिया में बदल गया. काफी सोच-विचार करने के बाद

उन्होंने गूगल की नौकरी छोड़ने का बड़ा फैसला लिया. यह फैसला आसान नहीं था, क्योंकि इतनी बड़ी नौकरी छोड़ना किसी के लिए भी जोखिम भरा हो सकता है. परिवार और दोस्तों ने भी उन्हें दोबारा सोचने की सलाह दी, लेकिन उन्होंने अपने सपने पर भरोसा रखा. नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने अपना रेस्टोरेंट शुरू किया. शुरुआत में

नई दिशा से मिलती है सफलता

यह कहानी इस बात का उदाहरण है कि अगर किसी व्यक्ति के पास स्पष्ट लक्ष्य, मेहनत करने का जज्बा और अपने फैसले पर भरोसा हो, तो वह करियर बदलकर भी बड़ी सफलता हासिल कर सकता है. हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हर व्यक्ति को अपनी नौकरी छोड़ दे.

उन्हें कई चैलेंज का सामना करना पड़ा. रेस्टोरेंट बिजनेस में ग्राहकों को आकर्षित करना, अच्छी टीम बनाना, स्वाद और क्वालिटी बनाए रखना, खर्चों को संभालना और बाजार में पहचान बनाना आसान नहीं था. लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार अपने काम पर ध्यान दिया.

प्रियदर्शन की थ्रिलर फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान

अक्षय-सैफ का 18 साल बाद कमबैक

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी 18 साल के लंबे गैप के बाद एक बार फिर से बॉलीवुड फैंस को एंटरटेन करने के लिए तैयार है. यह जोड़ी अब डायरेक्टर प्रियदर्शन की फिल्म हैवान में साथ आने वाली है. पिछले साल यह फिल्म अनाउंस हुई थी और अक्षय-सैफ ने इसका शूट शुरू कर दिया था, मगर तब रिलीज डेट नहीं आई थी. अब मेकर्स ने हैवान की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है.

ट्रेड एक्सपर्ट तरण आदर्श ने रिवील किया है कि सैफ और अक्षय की जानदार थ्रिलर हैवान 11 सितंबर 2026 को रिलीज होगी. फिल्म में अक्षय और सैफ के साथ सैयामी

खेर और 'मिर्जापुर' फेम एक्ट्रेस श्रेया पिलगांवकर भी हैं.रिलीज डेट अनाउंस होने के साथ ही हैवान का बॉक्स ऑफिस क्लेश भी तय हो गया है. आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म उड़ता तीर भी इसी तारीख के लिए शेड्यूल है.

उड़ता तीर एक स्पाई-कॉमेडी ड्रामा है. जिसके प्रोड्यूसर करण जौहर हैं. दिलचस्प यह है कि करण की अक्षय और सैफ दोनों से अच्छी दोस्ती है. पिछले ही साल अक्षय ने करण को केसरी चैप्टर 2 जैसी दमदार फिल्म दी थी.

आज की तस्वीर

गोल्डन मेलोडी नाइट

ताइवान की राजधानी ताइपे में आयोजित 37वें गोल्डन मेलोडी अवॉर्ड्स में पॉप ग्रुप The GENBLUE ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई. समारोह में पहुंचने पर समूह के सदस्यों ने पोज़ दिए. इस प्रतिष्ठित संगीत पुरस्कार समारोह में एशिया के कई लोकप्रिय कलाकार और संगीत जगत की हस्तियां शामिल हुईं. (Photo: AP)

आशियाना में वेंडिंग जोन निर्माण का विरोध

सड़क पर उतरे स्थानीय लोग

लखनऊ के आशियाना में गौतमबुद्ध पार्क के बाहर नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे वेंडिंग जोन का स्थानीय लोगों ने विरोध किया। उनका आरोप है कि फुटपाथ पर स्थायी निर्माण से यातायात और आम लोगों की

लखनऊ। राजधानी के आशियाना क्षेत्र स्थित एलडीए कॉलोनी के गौतमबुद्ध पार्क के बाहर फुटपाथ पर नगर निगम द्वारा कराए जा रहे वेंडिंग जोन निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को बड़ी संख्या में क्षेत्रीय निवासी पार्क के बाहर एकत्र हुए और नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए निर्माण कार्य को तत्काल बंद कराने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि फुटपाथ पर स्थायी पक्का निर्माण कराकर नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों की आवाजाही प्रभावित होगी और भविष्य में गंभीर यातायात समस्या उत्पन्न हो सकती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, नगर निगम करीब डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से मॉडल वेंडिंग जोन विकसित कर रहा है। इसके तहत 60 से अधिक दुकानों का निर्माण प्रस्तावित है। निर्माण स्थल पर सीमेंट, सरिया, पक्की दीवार, पिलर और बीम तैयार किए जा चुके हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जिस निर्माण को अधिकारी अस्थायी बता रहे हैं, वह पूरी तरह स्थायी और पक्का निर्माण प्रतीत हो रहा है। उनका आरोप है कि फुटपाथ जैसी सार्वजनिक जगह पर इस प्रकार का निर्माण नियमों के विपरीत है और इस पर तत्काल बुलडोजर चलाकर हटाया जाना चाहिए। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि कुछ समय पहले भी स्थानीय निवासियों ने निर्माण कार्य का विरोध किया था। विरोध के बाद नगर निगम ने कुछ दिनों के लिए निर्माण कार्य रोक दिया था, लेकिन अब दोबारा निर्माण शुरू कर दिया गया है। इससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई है।स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रस्तावित वेंडिंग जोन बनने से पार्क के बाहर स्थित फुटपाथ पूरी तरह बाधित हो जाएगा। इसके अलावा आसपास अस्पताल और स्कूल भी स्थित हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। यदि फुटपाथ पर स्थायी दुकानें बन गईं तो पैदल राहगीरों को सड़क पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जिससे दुर्घटनाओं और ट्रैफिक जाम की आशंका बढ़ जाएगी। लोगों का कहना है कि सार्वजनिक सुविधाओं और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य तुरंत रोका जाना चाहिए।प्रदर्शनकारियों ने यह भी दावा किया कि स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने करीब 12 दिन पहले नगर निगम को पत्र भेजकर निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी है, जिससे प्रशासनिक आदेशों की अनदेखी का आरोप लगाया जा रहा है। हालांकि, क्षेत्र के कुछ लोगों ने मॉडल वेंडिंग जोन के निर्माण का समर्थन भी किया। उनका कहना है कि इससे रेहड़ी-पटरी दुकानदारों को व्यवस्थित स्थान मिलेगा और अव्यवस्थित अतिक्रमण की समस्या कम होगी। वहीं, स्थानीय पार्षद ने पूरे विवाद को बेवजह तूल देने की बात कही। उनका कहना है कि मामले को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है और परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र को व्यवस्थित करना है।फिलहाल वेंडिंग जोन निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों और नगर निगम के बीच विवाद गहराता जा रहा है। क्षेत्रीय निवासी निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग कर रहे हैं। अब सभी की निगाहें प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

नीट में एडमिशन दिलाने के नाम पर पांच लाख की ठगी

लखनऊ में नीट मेडिकल में एडमिशन दिलाने के नाम पर 5 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदनीपुर जिले के हल्दिया निवासी संजीव कुमार वर्मा ने लखनऊ स्थित एक कंसल्टेंसी फर्म के तीन लोगों पर यह आरोप लगाया है। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र के स्काई हाई एजुकेशन ऑफिस, जेबी मेट्रो हाईट, ट्रांसपोर्ट नगर से जुड़े विनय मौर्य, रिसेप्शनिस्ट प्राची और संजय के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। पीड़ित का आरोप है कि इन लोगों ने मेडिकल कॉलेज में सीट दिलाने का भरोसा देकर पैसे लिए और बाद में टालमटोल करने लगे। संजीव वर्मा के अनुसार, उनकी बेटी रितिषा वर्मा नीट मेडिकल 2025 की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान कंसल्टेंट फर्म की रिसेप्शनिस्ट प्राची ने उनसे संपर्क किया और बताया कि उनकी संस्था कई वर्षों से एमबीबीएस व एमडी में प्रवेश दिलाने का कार्य कर रही है। प्राची ने रितिषा को लखनऊ कार्यालय बुलाया, जहां संजय नामक व्यक्ति ने एडमिशन प्रक्रिया और कॉलेजों की जानकारी दी। आरोप है कि संजय और विनय मौर्य ने रजिस्ट्रेशन और एडमिशन प्रक्रिया का हवाला देते हुए शुरुआत में एडवांस राशि जमा करने को कहा। पीड़ित ने अलग-अलग तारीखों पर फोनपे और बैंक ट्रांसफर के जरिए कुल 5 लाख रुपये विनय मौर्य के खाते में जमा किए। पैसे लेने के बाद आरोपियों ने रजिस्ट्रेशन होने की बात कहकर और धनराशि मांगी, लेकिन कोई काम नहीं किया। जब पीड़ित ने पैसे वापस मांगे, तो वे टालमटोल करते रहे और अब तीनों के मोबाइल फोन बंद आ रहे हैं। संजीव वर्मा की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिपाही सुनील कुमार शुक्ला बर्खास्त, जांच में नहीं मिले आरोपों के साक्ष्य

पुलिस अधिकारियों को 'काले अंग्रेज' बताने वाले सिपाही सुनील कुमार शुक्ला को रविवार को बर्खास्त कर दिया गया। सुनील ने वीडियो जारी कर पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि पुलिस विभाग को 'काले अंग्रेज' चला रहे हैं और पुलिस लाइन में ड्यूटी लगाने के नाम पर वसूली की जाती है। सिपाही के आरोपों के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। मामले की जांच के लिए पुलिस कमिश्नर ने 7 मई 2026 को एक समिति गठित की थी। जांच समिति के अनुसार, सुनील अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर सके। उधर, कार्रवाई के बाद बर्खास्त सिपाही ने कहा, "आज मुझे सच बोलने का इनाम मिला है।" जांच कमेटी के अनुसार, सिपाही सुनील ने वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ सार्वजनिक रूप से निराधार आरोप लगाए, जिससे विभाग की छवि प्रभावित हुई। साथ ही, अधिकारियों के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर पुलिस बल में अनुशासनहीनता को बढ़ावा दिया। जांच अधिकारियों के सामने वे कोई साक्ष्य भी नहीं पेश कर सके। विभागीय जांच में यह भी सामने आया कि उन्होंने बिना विभागीय अनुमति सोशल मीडिया का उपयोग किया, जो उत्तर प्रदेश सोशल मीडिया नीति-2023, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक आचरण नियमावली-1956 के नियम 3, 6, 7 और 27 तथा उत्तर प्रदेश वर्दी विनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। पुलिस कमिश्नरेट ने बताया कि गंभीर दुराचार सिद्ध होने पर सुनील कुमार शुक्ला को सेवा से बर्खास्त किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया कि अनुशासन, सेवा नियमों और सोशल मीडिया नीति के उल्लंघन के मामलों में आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस कमिश्नरेट ने बताया कि गंभीर दुराचार सिद्ध होने पर सुनील कुमार शुक्ला को सेवा से बर्खास्त किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया कि अनुशासन, सेवा नियमों और सोशल मीडिया नीति के उल्लंघन के मामलों में आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

बिजली कटौती से भड़के लोगों का चिनहट पावर हाउस पर हंगामा

लखनऊ के चिनहट स्थित लौलई पावर हाउस में लोगों ने आधी रात जमकर पथराव और तोड़फोड़ की। इस दौरान पावर हाउस के अंदर खड़ी गाड़ी और दीवार पर लगे एसी लाठी और ईंट से तोड़ने की कोशिश भी की गई। दरअसल, शनिवार देर रात करीब 10:30 बजे अचानक आंधी-पानी आने की वजह से लगभग सभी पावर हाउस से बिजली सप्लाई बंद हो गई। करीब 1 घंटे तक उपभोक्ता बिना बिजली के अंधेरे में रहे। आंधी-पानी बंद होते ही जिन इलाकों में कोई फाल्ट नहीं था, वहां पर 11:45 बजे तक बिजली चालू हो गई। वहीं, कई पावर हाउस पर बिजली सप्लाई नहीं हुई। इससे चिनहट में लोग आक्रोशित हो गए और पावर हाउस पहुंचकर हंगामा किया। उधर, विकासनगर थाना क्षेत्र के सेक्टर-N1 के पास बिजली के खंभे में अचानक आग लग गई। घटना की सूचना पर तत्काल फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची और आग पर काबू पाया। अमीनाबाद में गोइन रोड पर बिजली का केबल जलने पर बिजली कट गई, जो कई घंटे बाद आई। चिनहट के स्थानीय लोगों ने बताया कि लौलई पावर हाउस से शनिवार दोपहर 1:00 बजे से बिजली कटी हुई थी। रात करीब 9:30 बजे सप्लाई आई, लेकिन महज 10 मिनट बाद फिर से कट गई। लगातार बिजली कटौती से लोगों को बिजली और पानी की विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

लखनऊ के कोल्ड स्टोरेज में भीषण आग

लखनऊ के एक कोल्ड स्टोरेज में रविवार सुबह करीब 6:30 बजे भीषण आग लग गई। घटनास्थल से 4 किलोमीटर दूर से भी धुएं का गुबार दिखता रहा। फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियां और 2 हाइड्रोलिक मशीन आग बुझाने में लगी रहीं। इस दौरान करीब 400 मीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को धुएं से काफी दिक्कत हुई। आग करीब 8 घंटे बाद दोपहर ढाई बजे हल्की पड़ी। धुआं 3:30 बजे तक उठता रहा। पुलिस ने एहतियातन पास की कॉलोनी दयाल रेजीडेंसी के करीब 50 घरों को खाली करा लिया था। लोगों ने घरों से सिलेंडर बाहर रख दिए थे। दमकल की 15 गाड़ियां करीब कुल 70 चक्कर लगाकर इंदिरा नहर से पानी रीफिल कर आग बुझाती रहीं। राहत की बात यह रही कि किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई। कोल्ड स्टोरेज चिनहट थाना क्षेत्र में लखनऊ-अयोध्या हाईवे के किनारे बना है। करीब 35 साल पुराने हिमालयन कोल्ड स्टोरेज में फिलहाल हल्दी, मिर्च सहित किराने का सामान रखा जाता है। कुछ हिस्से में लकड़ी और बुरादा भी रखा था। इसी वजह से आग करीब 5 घंटे बाद 11:30 बजे दोबारा तेजी से भड़क गई थी। मिर्च-मसाले के धुएं से फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों को आग बुझाने में काफी परेशानी हुई। वे पहले अंदर जाने वाले थे, लेकिन जब सब मिर्च के झार से खांसने लगे तो बाहर आ गए। टिन शेड के ऊपर और हाईड्रोलिक मशीन से रेस्क्यू किया।

गैस लीकेज से रसोई में लगी आग, महिला झुलसी; स्थानीय लोगों की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

लखनऊ। राजधानी के तेलीबाग स्थित कुम्हारमंडी क्षेत्र में रविवार शाम गैस लीकेज के कारण एक मकान की रसोई में अचानक आग लग गई। आग बुझाने का प्रयास कर रही महिला गंभीर रूप से झुलस गई, जिसे परिजनों ने तत्काल सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112, पीजीआई थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की तत्परता और फायर कर्मियों के प्रयास से आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया।जानकारी के अनुसार, कुम्हारमंडी निवासी मदन यादव के घर में रविवार शाम करीब पांच बजे उनकी पत्नी राधा यादव रसोई में मैगी बना रही थीं। इसी दौरान गैस सिलेंडर से गैस का रिसाव होने लगा और देखते ही देखते आग भड़क उठी। कुछ ही क्षणों में आग ने रसोई में रखे तख्त, कपड़ों और घरेलू बर्तनों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें उठती देख घर में अफरा-तफरी मच गई।घटना के समय घर में राधा यादव और उनकी दो बेटियां मौजूद थीं। परिवार को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद राधा यादव ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान उनके हाथ, पैर और चेहरा आग की चपेट में आ गया, जिससे वह झुलस गईं। परिजनों ने बिना देर किए उन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। सूचना मिलने पर डायल-112 पुलिस, पीजीआई थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर समय रहते नियंत्रण पा लिया गया, जिससे आग पूरे मकान में फैलने से पहले ही बुझा दी गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में गैस लीकेज को आग लगने का मुख्य कारण माना गया है। मौके से एक ही गैस सिलेंडर बरामद हुआ, जिस पर रेगुलेटर लगा हुआ था। अधिकारियों का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में राधा यादव के अलावा कोई अन्य व्यक्ति घायल नहीं हुआ। समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से एक बड़ा हादसा टल गया।

उन्नाव में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, जिलाधिकारी ने बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

जनपद उन्नाव में रविवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया। महिला जिला अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने फीता काटकर अभियान की शुरुआत की तथा बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कहा कि पोलियो एक गंभीर और विकलांगता पैदा करने वाली बीमारी है, जिसे सामूहिक प्रयासों और जागरूकता के माध्यम से पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाया जा रहा पल्स पोलियो अभियान बच्चों के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपने शून्य से पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि पोलियो उन्मूलन के लिए यह आवश्यक है कि कोई भी बच्चा इस जीवन रक्षक दवा से वंचित न रहे। उन्होंने जनपदवासियों से अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से ही पोलियो मुक्त समाज का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर महिला जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. अरविंद आनंद सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के तहत जिले के विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी बच्चों को पोलियो की खुराक पिला रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बूथ दिवस के बाद अभियान का दूसरा चरण घर-घर संपर्क अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा। इसके तहत आशा बहुएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां और स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का कार्य करेंगी। साथ ही उन बच्चों को भी चिन्हित किया जाएगा जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके हैं। अधिकारियों ने बताया कि अभियान की सफलता के लिए व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। लोगों को पोलियो के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक बच्चों तक पोलियो की खुराक पहुंचाई जा सके।स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे पोलियो अभियान को गंभीरता से लें और अपने बच्चों को समय पर पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं। विभाग का लक्ष्य है कि जनपद का कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहे और पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को मजबूत बनाया जा सके।

हसनगंज के वैज्ञानिक डॉ. जय कुमार को मिलेगा 'बेस्ट रिसर्च

हसनगंज तहसील के कृषि विज्ञान केंद्र, धौरा के वैज्ञानिक डॉ. जय कुमार यादव को प्रतिष्ठित फार्म एन फूड कृषि सम्मान अवार्ड्स-2026 उत्तर प्रदेश के अंतर्गत "बेस्ट रिसर्च अवार्ड इन फार्मिंग सिस्टम्स" के लिए चुना गया है। यह सम्मान उन्हें 30 जून 2026 को मालवीय हॉल, लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रदान किया जाएगा। डॉ. यादव का चयन कृषि अनुसंधान, पौध संरक्षण, टिकाऊ कृषि प्रणालियों के विकास, आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार और किसानों के बीच वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए हुआ है। कृषि विज्ञान केंद्र धौरा के माध्यम से डॉ. जय कुमार यादव ने किसानों को रोग एवं कीट प्रबंधन, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, फसल सुरक्षा, बागवानी, फसल विविधीकरण, मूल्य संवर्धन तथा आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण दिया है। उनके प्रयासों से खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। उनके नेतृत्व में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, खेत दिवसों, वैज्ञानिक भ्रमणों और जागरूकता अभियानों से हजारों किसान लाभान्वित हुए हैं। इन किसानों ने वैज्ञानिक खेती अपनाकर अपनी उत्पादकता और आय में वृद्धि की है। डॉ. यादव का "बेस्ट रिसर्च अवार्ड इन फार्मिंग सिस्टम्स" के लिए चयन न केवल कृषि विज्ञान केंद्र धौरा, बल्कि पूरे उन्नाव जनपद के लिए गौरव का विषय है। कृषि वैज्ञानिकों, प्रगतिशील किसानों और शुभचिंतकों ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी है और भविष्य में भी उनके शोध एवं नवाचारों के माध्यम से किसानों के हित में महत्वपूर्ण योगदान देने की उम्मीद जताई है।

एसएसपी ने अपराध समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश

उन्नाव में पुलिस लाइन सभागार में रविवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जय प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक, थाना प्रभारी और विभिन्न शाखाओं के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था और लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए कई अहम निर्देश दिए गए। एसएसपी ने विभिन्न थानों में दर्ज गंभीर अपराधों से जुड़े लंबित मुकदमों की समीक्षा की। उन्होंने गुण-दोष के आधार पर इन मामलों का शीघ्र निस्तारण करने, वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और महिला संबंधी अपराधों में संवेदनशीलता व तत्परता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए।बैठक में शातिर और अभ्यस्त अपराधियों को चिन्हित कर उनकी हिस्ट्रीशीट खोलने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही गुंडा एक्ट के तहत जिलाबदर की कार्रवाई तथा माफिया के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। एसएसपी ने अवैध शराब, अवैध हथियार, जुआ, मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही पॉक्सो एक्ट, दुष्कर्म और अन्य गंभीर मामलों में प्रभावी पैरवी कर आरोपियों को अधिकतम सजा दिलाने पर जोर दिया। उन्होंने संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में नियमित गश्त बढ़ाने तथा चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। जमीनी विवादों में राजस्व विभाग के साथ समन्वय बनाकर समयबद्ध कार्रवाई करने को भी कहा गया। एसएसपी ने जनशिकायतों का निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने, आईजीआरएस शिकायतों में पारदर्शिता बनाए रखने और आवेदकों से स्वयं फीडबैक लेने के निर्देश दिए। साथ ही पीआरवी वाहनों की रैंडम चेकिंग कर उनकी कार्यप्रणाली और सतर्कता का निरीक्षण करने को भी कहा। बैठक में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा अपराध नियंत्रण के लिए विभिन्न रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सर्विलांस टीम की बड़ी सफलता, गुम हुए 78 मोबाइल मालिकों को सौंपे गए

उन्नाव पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में 78 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को वापस सौंप दिए हैं। इन बरामद किए गए मोबाइलों की कुल कीमत 15 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने रविवार दोपहर पुलिस लाइन सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में मोबाइल धारकों को उनके फोन लौटाए। जनपद पुलिस की सर्विलांस टीम और विभिन्न थानों की संयुक्त कार्रवाई से यह सफलता मिली। पुलिस विभाग के अनुसार, नागरिकों द्वारा मोबाइल फोन गुम होने की शिकायतें भारत सरकार के सीईआईआर (Central Equipment Identity Register) पोर्टल पर दर्ज कराई गई थीं। इन शिकायतों के आधार पर, सर्विलांस टीम ने तकनीकी सहायता का उपयोग किया और विभिन्न थानों की मदद से मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रेस की। एक लगातार अभियान चलाकर, टीम ने अलग-अलग स्थानों से कुल 78 मोबाइल फोन बरामद किए। फोन खोने पर तुरंत शिकायत दर्ज करवाएं अपने खोए हुए मोबाइल फोन वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। कई लोगों ने अपने फोन दोबारा मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन पुलिस की इस कार्रवाई से उन्हें बड़ी राहत मिली। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने पुलिस टीम की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने बताया कि सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से मोबाइल गुम होने की शिकायत दर्ज कराना काफी प्रभावी साबित हो रहा है। उन्होंने जनता से अपील की कि मोबाइल फोन खोने या चोरी होने की स्थिति में तुरंत संबंधित थाने और सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। एसएसपी ने यह भी कहा कि आधुनिक तकनीक और सर्विलांस की मदद से पुलिस लगातार अपराध नियंत्रण और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए काम कर रही है। उन्होंने इस बरामदगी अभियान में शामिल सर्विलांस टीम और सभी थाना प्रभारियों की सराहना की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आगे भी सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई जारी रहेगी।

उन्नाव में युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जांच में जुटी पुलिस

उन्नाव के बिहार थाना क्षेत्र स्थित आकमपुर गांव में एक युवती की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बताया जा रहा युवती ने गेहूं में रखने वाली दवा का सेवन कर लिया था। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवती की पहचान नेहा पाल (25) पुत्री कृष्ण कुमार पाल के रूप में हुई है। वह आकमपुर गांव की निवासी थी। नेहा की मां कल्पना का पहले ही निधन हो चुका है। वह अपने पिता और भाई अजय के साथ रहती थी। नेहा ने एमए तक की पढ़ाई की थी। यह घटना रविवार सुबह करीब छह बजे हुई। नेहा ने गेहूं में डालने वाली दवा खा ली थी। दवा खाने के तुरंत बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। इसके बाद परिवार के सदस्य उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में दोपहर के समय डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के भाई अजय ने बताया- नेहा ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिवार के किसी भी सदस्य को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। सूचना मिलने पर बिहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया- पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चल पाएगा।

विधायक के निर्देश का असर, पोस्टमार्टम हाउस में 24 घंटे में सुधरी व्यवस्थाएं

उन्नाव में सदर विधायक पंकज गुप्ता ने रविवार को जिला पोस्टमार्टम हाउस का दोबारा निरीक्षण कर 24 घंटे के भीतर कराए गए सुधार कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि मृतकों के परिजनों के लिए अब पंखों और ठंडे पेयजल की व्यवस्था कर दी गई है। विधायक पंकज गुप्ता ने शुक्रवार को पोस्टमार्टम हाउस का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने देखा कि भीषण गर्मी में आने वाले परिजनों के लिए न तो पंखों की व्यवस्था थी और न ही पीने के लिए ठंडे पानी की सुविधा उपलब्ध थी। मौके पर ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे। निर्देशों के बाद स्वास्थ्य विभाग ने पोस्टमार्टम हाउस में बैठने वाले लोगों के लिए पंखे लगवाए और ठंडे पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की। दोबारा निरीक्षण के दौरान विधायक ने इन व्यवस्थाओं का सत्यापन किया और अधिकारियों को अन्य आवश्यक सुविधाएं भी जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक ने कहा कि पोस्टमार्टम हाउस में आने वाले लोग पहले से ही मानसिक पीड़ा में होते हैं। ऐसे में उन्हें हवा, पानी और बैठने जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि परिजनों की सुविधा के लिए जल्द ही शौचालय का निर्माण भी कराया जाएगा, जिसके लिए संबंधित विभाग से बातचीत चल रही है।

प्रयागराज पहुंचे अखिलेश यादव

राम मंदिर चढ़ावा मामले पर भाजपा पर साधा निशाना

प्रयागराज पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इटावा में केदारेश्वर मंदिर बनने के बाद अयोध्या जाएंगे। भाजपा पर "चंदा, चोरी, चतुराई और चालाकी" की राजनीति करने का आरोप लगाया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को प्रयागराज पहुंचे, जहां उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित विवाद और प्रदेश की राजनीतिक स्थिति पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर जाने के सवाल पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि इटावा में केदारेश्वर मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद वह मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए अयोध्या जाएंगे। मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा, "इटावा में केदारेश्वर मंदिर बनते ही हम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के दर्शन करने जाएंगे।" उन्होंने कहा कि भगवान राम सभी के आराध्य हैं और उनकी आस्था का सम्मान किया जाना चाहिए। राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित मामले को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश की जनता इस प्रकरण को लेकर आक्रोशित है। उन्होंने दावा किया कि इस मामले के तार अन्य राज्यों तक जुड़े होने की चर्चाएं हैं। उन्होंने कहा, "सुना है कि डोनेशन के तार कर्नाटक और महाराष्ट्र से जुड़े हैं।" सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी ने रामनगरी में हुए कथित "गोरखधंधे" को उजागर किया, जिसके बाद सच्चाई सामने आई। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले "नेशन फर्स्ट" का नारा देते थे, उनके लिए अब "डोनेशन फर्स्ट" अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का मानना है कि इस पूरे मामले में लोगों की आस्था और श्रद्धा के साथ खिलवाड़ हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के शब्दकोष में अब न धर्म बचा है और न ही शर्म। उनके अनुसार, भगवान श्रीराम के मंदिर को लेकर जिस प्रकार के सवाल उठ रहे हैं, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। भाजपा पर तीखा हमला जारी रखते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार "4C" की राजनीति कर रही है। उन्होंने इसका अर्थ बताते हुए कहा कि भाजपा का पूरा ध्यान "चंदा, चोरी, चतुराई और चालाकी" पर केंद्रित है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। सपा प्रमुख के इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज होने की संभावना है। हालांकि, भाजपा की ओर से इस बयान पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आगामी चुनावों को देखते हुए धार्मिक और राजनीतिक मुद्दों पर बयानबाजी का दौर और तेज हो सकता है।

सिधौना फीडर में भीषण बिजली संकट, 15 हजार की आबादी परेशान

अयोध्या के कुमारगंज विद्युत उपकेंद्र के सिधौना फीडर क्षेत्र में बिजली कटौती से लगभग 15 हजार की आबादी प्रभावित है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि उन्हें निर्धारित 18 घंटे के बजाय 24 घंटे में मुश्किल से आठ घंटे ही बिजली मिल पा रही है। रविवार शाम से आपूर्ति बाधित रहने से क्षेत्र में अंधेरा छा गया, जिससे भीषण गर्मी और उमस के बीच लोगों को परेशानी हुई। ग्रामीणों के अनुसार, दिन और रात दोनों समय हो रही अघोषित कटौती से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। रात में बिजली न होने के कारण लोगों की नींद पूरी नहीं हो पा रही है। मेहनत-मजदूरी कर लौटने वाले लोग गर्मी के कारण रातभर जागने को मजबूर हैं। इसके अतिरिक्त, पेयजल संकट और घरेलू कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। उपभोक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि विद्युत उपकेंद्र का सीयूजी नंबर अधिकतर समय बंद रहता है। इससे बिजली संबंधी शिकायतें दर्ज कराना तो दूर, किसी विद्युत हादसे की सूचना देना भी मुश्किल हो जाता है। इस स्थिति से विभाग के प्रति लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। इस संबंध में उपखंड अधिकारी मनोज मन मोरिया ने बताया कि क्षेत्र में ओवरलोड के कारण लाइन में बार-बार फॉल्ट हो रहा है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे आवश्यकतानुसार ही विद्युत उपकरणों का उपयोग करें। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ लोग खेती के लिए अवैध रूप से कटिया लगाकर बिजली का उपयोग कर रहे हैं, जिससे लोड बढ़ रहा है और समस्या और गंभीर हो रही है। अधीक्षण अभियंता के अनुसार, यदि रात में किसी कारणवश आपूर्ति प्रभावित होती है, तो दिन में उसकी भरपाई करने का प्रयास किया जाता है।

कानपुर एयरपोर्ट पर नाइट फ्लाइंग ट्रेनिंग में बड़ा हादसा

कानपुर एयरपोर्ट पर नाइट फ्लाइंग ट्रेनिंग के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई। 26 जून (शुक्रवार) की रात ट्विन इंजन विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई। लेकिन, इंजन बंद होने से पहले ही ट्रेनी पायलट विमान से नीचे उतर गई। इस वजह से वह घूम रहे प्रोपेलर (पंखे) की चपेट में आ गई। हादसे में उसकी पीठ पर गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज चल रहा है। घटना के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने जांच शुरू कर दी है। साथ ही फ्लाइट इंस्ट्रक्टर को ट्रेनिंग ड्यूटी से हटा दिया है। गर्ग एविएशन फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (FTO) के Tecnam P2006T (VT-NBV) विमान नाइट इंस्ट्रक्शनल फ्लाइंग पर था। इसमें एक फ्लाइट इंस्ट्रक्टर और एक ट्रेनी पायलट सवार थी। विमान सुरक्षित रूप से रनवे पर उतर गया था। लेकिन, इंजन चालू था और दोनों प्रोपेलर घूम रहे थे। इसी दौरान ट्रेनी पायलट विमान से नीचे उतर गई। इस वजह से वह सीधे चलते प्रोपेलर की चपेट में आ गई। घटना को गंभीरता से लेते हुए DGCA ने संबंधित फ्लाइट इंस्ट्रक्टर को जांच पूरी होने तक ट्रेनिंग ड्यूटी से हटा दिया है। इसके अलावा हादसे में शामिल Tecnam P2006T (VT-NBV) विमान उड़ाने पर भी जांच पूरी होने तक रोक लगा दी गई है। वहीं, चकेरी एयरपोर्ट के डायरेक्टर प्रदीप यादव ने इस घटना पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

सीएम योगी बोले- हमारी सरकार ने मंदिरों का विकास किया, पिछली सरकार ने कब्रिस्तानों पर खर्च किया

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हाथरस दौरे के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। 548 करोड़ रुपये की लागत से 143 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने अयोध्या, धार्मिक स्थलों के विकास और पूर्ववर्ती सरकारों की नीतियों को लेकर सपा पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उन्होंने अखिलेश यादव का एक बयान पढ़ा, जिसमें वह कह रहे थे कि उनकी सरकार बनने पर अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाया जाएगा। इस पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "अरे, आप क्या अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाएंगे। आपने तो रामभक्तों पर गोली चलवाई थी। आज रामभक्तों की आस्था और उनके प्रयासों से अयोध्या त्रेतायुग की याद दिला रही है, तो अब आपको भी उसकी याद आने लगी है।" उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान धार्मिक आयोजनों की उपेक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय थानों और जेलों में कृष्ण जन्माष्टमी के आयोजन तक रोक दिए गए थे और कांवड़ यात्रा पर भी प्रतिबंध लगाया गया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को प्राथमिकता दी है। हाथरस के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में 22 से अधिक मंदिरों का सौंदर्यीकरण कराया गया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह कार्य समाजवादी पार्टी की सरकार में संभव हो पाता। योगी ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार में सरकारी धन कब्रिस्तानों की बाउंड्रीवाल पर खर्च किया जाता था, जबकि उनकी सरकार ने उसी धन को मंदिरों के विकास और सौंदर्यीकरण की दिशा में लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार प्रदेश के लोगों को बेहतर सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है।